ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-७३
दिनांक-मंगलवार,९ अक्टूबर,२०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.० एवं २१.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८६ सुबह में एवं दोपहर में ५७ प्रतिशत, हवा की औसत गति १.९ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.५ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ९.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.३ एवं दोपहर में ३२.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१० से १४ अक्टूबर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १० से १४ अक्टूबर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मध्यम बादल आ सकते हैं। अगले ४८ से ७२ घंटों में समस्तीपुर, बेगुसराय एवं वैशाली जिलों में कम दवाव के क्षेत्र के प्रभाव से हल्की वर्षा हो सकती है। मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी तथा अन्य जिलों में हल्की वर्षा या बुंदा-बुंदी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३२ से ३४ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान २२ से २४ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित रखें एवं कीटनाशक दवा का छिड़काव सावधानी पूर्वक करे।
- उचॉस खेतों में तोरी की बुआई करे। तोरी की आर०ए०यु०टी०एस०-१७,पंचाली, पी०टी०-३०३ एवं भवानी किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की अन्तिम जुताई के समय ३० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर, ४० किलोग्राम पोटास एवं २० से ३० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। जिंक की कमी वाले खेत में २५ किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- पीली सरसों की बुआई के लिए मौसम अनुकूल हो रहा है, इसकी बुआई १० अक्टुबर के बाद की जा सकती है। इसके लिए उन्नत प्रभेद ६६-१९७-३,राजेन्द्र सरसों-१ तथा स्वर्णा किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित हैं।
- शरदकालीन गन्ना की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें। १५ अक्टुबर के बाद इसकी रोपाई की जा सकती है।
- मसूर, मटर, राजमा, मेथी, लहसुन, धनियाँ, राई एवं सुर्यमुखी फसलों के समय से बुआई के लिए खेतों की तैयारी करें। गोबर की सडी खाद १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें। यह खाद भुमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है। खेतों में अंकुरण के लायक नमी बनाये रखने के लिए खाली खेतों की प्रत्येक जुताई के बाद पाटा अवश्य चला दें।
- सितम्बर में बोयी गई अरहर की फसल में निकाई-गुड़ाई करें। जुन-जुलाई में बोयी गई अरहर की फसल में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- बालियॉं निकलने तथा दुध भरने की अवस्था वाली धान की फसल में गंधी बग कीट की निगरानी करें। यह कीट दाने को चुसकर खोखला एवं हल्की बना देती है, जिससे उपज काफी प्रभावित होता है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है।इसके नियंत्रण के लिए फॉलीडाल १० प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर १०-१५ किलोग्राम की दर से भूरकाव ८ बजे सुबह से पहले अथवा ५ बजे शाम के बाद बालियों पर करें। खतों के आस-पास के मेड़ों पर दवा का भूरकाव अवश्य करें।
- सब्जियों की नर्सरी एवं खड़ी फसलों जैसे बैगन, टमाटर एवं मिर्च में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है। रोग के विस्तार से बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- सब्जियों की फसल जैसे बैगन, टमाटर, फुल गोभी एवं मिर्च में फल छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ इ०सी०/१ मि०ली० प्रति ४ ली० पानी की दर से छिड़काव करे।

आज का अधिकतम तापमानः ३२.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.२ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २२.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.६ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी